"विषय-सूची"

प्रथम अध्याय

डॉ० राही मासूम रज़ा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :-

- जन्म
- शैशववास्था
- पारिवारिक परिवेश
- शिक्षा
- कृतित्व

द्वितीय अध्याय

समाज एवं उसके विविध रूप :-

- समाज की अवधारणा, स्वरूप, विविध रूप
- भारतीय समाज पर राजनीति का प्रभाव
- भारतीय समाज पर धर्म का प्रभाव
- भारतीय समाज पर संस्कृति का प्रभाव
- भारतीय सामाजिक परिवेश एवं स्वातंत्र्योत्तर समाज का बदलता स्वरूप

तृतीय अध्याय

डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में समाज :-

- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में उच्च वर्गीय समाज
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में मध्यमवर्गीय समाज

- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में निम्नवर्गीय समाज
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में मुस्लिम समाज
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों के समाज में हिन्दू-मुस्लिम एक्य

चतुर्थ अध्याय

डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में अभिव्यक्त समाज एवं उनका परिवेश :-

- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में आँचलिक परिवेश
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में ग्रामीण परिवेश
- रज़ा के उपन्यासों में परिवेश की समस्याएं
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में साम्प्रदायिक उन्माद एवं प्रभावित समाज

  डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में राजनीतिक स्वार्थ एवं प्रभावित समाज

पंचम अध्याय

डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में चरित्र-चित्रण :-

- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में पात्रों का मनोविज्ञान
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में धार्मिक विचारधाराओं से प्रभावित पात्र
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में साम्प्रदायिक उन्माद से प्रभावित पात्र
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में राजनीति से प्रभावित पात्र

- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में मानवीय मूल्यों को स्थापित करते पात्र

षष्ठ अध्याय

डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों का भाषा-शिल्प :-

- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों की परिवेशगत भाषा
  (1) प्रसंगानुकूल भाषा (2) आलंकारिक भाषा
  (3) मुहावरेदार भाषा (4) भाषा में कहावतों का प्रयोग
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में संवादों का वैशिष्टय
  (1) संक्षिप्त संवाद (2) विस्तृत संवाद
  (3) चमत्कत संवाद (4) पात्रानुकूल संवाद
  (5) संवादों में हास्य (6) आत्मीय संवाद
  (7) आक्रोशपूर्ण संवाद
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों की भाषा-शैली
  (1) आत्मकथात्मक शैली (2) पत्रात्मक शैली
  (3) डायरी शैली (4) वर्णनात्मक शैली
  (5) गीतात्मक शैली (6) पूर्वदीप्ति (फ्लैशबैक शैला)
  (7) व्यंग्यात्मक शैली
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में लोक गीतों का प्रयोग
- डॉ० राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में शब्दों की विविधता

सप्तम अध्याय

– सप्तम अध्याय मैंने उपसंहार के रूप में प्रस्तुत किया है । जिसके अन्तर्गत समस्त अध्यायों का निष्कर्ष एवं शोध की स्थापनाएं प्रस्तुत की गई हैं ।